MR. SPEAKER: I am not allowing. I do not want any more trouble. No. I have not called you.

श्री राज नारायण : आप कृपा कर मेरा प्वाइण्ट आफ़ आर्डर सुन लीजिए, इस से समस्या का समाधान निकल आयेगा, अगर नहीं सुनेंगे तो समस्या का समाधान नहीं निकल सकेगा । —इस तरह से मैं नहीं बैठूंगा आप मुझे निकाल दीजिए ।

MR. SPEAKER: What is your point of order?

श्री राजनारायण : मेरा प्वाइण्ट आफ आर्डर यह है कि मैं अपनी राय सदस्यों को बतला दूं । आप इस को प्रिवलेज कमेटी को भेज दीजिए, वह अलग चीज़ है । मगर प्रश्न यह है कि यह प्रिवलेज का प्रश्न है —

The earliest opportunity should be availed of.

श्री मधु लिमये कल जब यहां पर बोले थे तो उन्होंने कहा था कि उन्होंने 10 अक्तूबर को यह दिया था । इस में इतना डिले आलरेडी हो गया है ।

Justice delayed is justice denied.

अध्यक्ष महोदय, आप सुप्रीम कोर्ट के जज रह चुके हैं—क्या आप जस्टिस को डिले करना चाहते हैं, तब तो मुझे कुछ नहीं कहना है, लेकिन मैं यह चाहता हूं कि देश इस बात को समझ ले कि इस सदन को पूरा अधिकार है कि इस को पास कर सकता है और श्रीमती इन्दिरा गांधी के खिलाफ एक्शन ले सकता है । फिर भी जनता पार्टी उन को इतना ज्यादा अवसर दे रही है कि इस को प्रिवलेज कमेटी में भेज कर इस पर वहां विचार हो और उस के बाद फैसला हो ।

MR. SPEAKER: Mr. Gauri Shankar Rai are you withdrawing your amendment or are you pressing your amendment?

श्री गौरी शंकर राय : मुझे पहले सुन लीजिए, उस के बाद मुझ से पूछियेगा ।

SHRI G. M. BANATWALLA: (Ponnani): Sir, I have already sent one motion to you...

MR. SPEAKER: You cannot send not now. I have not allowed. You have to give notice.

SHRI G. M. BANATWALLA: I have given a motion that the entire discussion be adjourned without fixing a date....

MR. SPEAKER: That cannot be done now. I am not admitting it because you have not given notice.

SHRI G. M. BANATWALLA: Let me move it first, and then you may allow or disallow. Without my moving it, you are giving your ruling on it.

MR. SPEAKER: I am not allowing it.

13 hrs.

SHRI G. M. BANATWALLA: You must let me move it.

MR. SPEAKER: You should have given notice earlier: not now.

SHRI G. M. BANATWALLA: I am asking for an adjournment of the entire discussion *sine die*: how can you rule it out?

MR. SPEAKER: You have to give notice in time: you are creating further trouble.

SHRI G. M. BANATWALLA: I am within my rights to move a motion.

SHRI VASANT SATHE: The Rule is very clear: it can be moved any time.

MR. SPEAKER: All right; you may move your motion.